D.El.Ed 4th sem
शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन

8 may 2020
Friday

## पाठ्य-पुस्तकें (Text books)

आधुनिक शिक्षा-प्रणाली में पाठ्य-पुस्तकें प्रमुख हैं। पाठ्य पुस्तकें पाठ्यक्रम की वास्तविक रूपरेखा को प्रस्तुत करती हैं। पाठ्यपुस्तकें अनुदेशात्मक सामग्री के रूप में सर्वाधिक प्रयोग की जाती हैं।

शिक्षक और छात्र दोनों के लिए पाठ्य-पुस्तकें उपयोगी हैं—

"पाठ्य-पुस्तक ज्ञान, आदतों, भावनाओं, क्रियाओं तथा प्रवृत्तियों का सम्पूर्ण योग है।" — हैरोलिकर

"पाठ्य-पुस्तक अध्ययन क्षेत्र की किसी शाखा की एक प्रकाशित पुस्तक है।" — लैंग

### पाठ्य-पुस्तकों की विशेषताएँ :-

(1) मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ →
- विषय सामग्री
- भाषा शैली
- चित्रण
- बाह्य रूप
- प्रारूप।
- मूल्य एवं उपलब्धता।

2⇒ तार्किक विशेषताएँ →
- संगठन एवं व्यवस्था।
- विश्वसनीयता।
- विषय का प्रतिपादन।
- शिक्षण में सहायक।

### पाठ्य-पुस्तकों के चयन के सिद्धान्त :-

1 ⇒ उपयुक्त विषय-सामग्री।
2 ⇒ भाषण एवं शब्दावली।
3 ⇒ शैली (Style)
(4) व्यवस्था तथा नियोजन।
(5) अभ्यास-प्रश्न।
(6) निदर्शन (7) कागज (8) छपाई
(9) जिल्द, सिलाई तथा आकार।

**पाठ्य-पुस्तकों का प्रबन्धन** → इनके रख-रखाव तथा सुरक्षा हेतु छात्रों में आदत व दायित्व भावना का विकास किया जाय।

**प्राथमिक स्तर की नवीन पाठ्य-पुस्तकों का स्वरूप** - नवीन संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य-पुस्तकों का लेखन प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तरों पर अलग-2 किया जाता है।

**उच्च प्राथमिक स्तर की नवीन पाठ्य-पुस्तकों का स्वरूप**

"पाठ्यक्रम को स्तर के अनुरूप अपेक्षानुसार विस्तृत किया गया।"

B.R.C. Deoband
ABRC Pro - Sapna Tyagi